भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 1423 #

गुरूवार, 30 जुलाई, 2026/8 श्रावण, 1948 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

बस्तर और सरगुजा क्षेत्रों में पर्यटन का विकास

1423 # श्रीमती फूलो देवी नेतमः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या नक्सल प्रभावित बस्तर, सरगुजा क्षेत्र अत्यधिक प्राकृतिक और सांस्कृतिक क्षमता होने के बाद भी बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण पर्यटन स्थल के रूप में विकसित नहीं हो पाए हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार उक्त क्षेत्रों में पर्यटन स्थलों में कनेक्टिविटी, सड़क निर्माण और स्वदेश दर्शन योजना के तहत अन्य विकास कार्यों को पूरा करने के लिए अलग से विशेष पैकेज देने का विचार रखती है; और

(ग) यदि नहीं तो बस्तर, सरगुजा क्षेत्रों में पर्यटन स्थलों में कनेक्टिविटी, सड़क निर्माण और स्वदेश दर्शन योजना के तहत कार्यों के लिए कितनी राशि आवंटित की गई है, योजना-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): देश की पर्यटन क्षमता के आकलन सहित पर्यटन स्थलों और उत्पादों का विकास और संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा किया जाता है। तथापि, पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन (एसडी)', 'स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0)', 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)' - एसडी 2.0 की एक उप-योजना और 'तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) नामक अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के माध्यम से योजना दिशानिर्देशों एवं सरकारी निर्देशों के अनुपालन, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) की प्रस्तुति, निधियों की उपलब्धता, परस्पर-प्राथमिकता आदि के अध्यधीन, राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करके पर्यटन अवसंरचना विकास संबंधी उनके प्रयासों को संपूरित करता है। जबकि, स्वदेश दर्शन योजना के तहत सड़क निर्माण के लिए निधि स्वीकृत नहीं की जाती है, फिर भी परियोजना की आवश्यकता के आधार पर अंतिम मील तक की संपर्कता संबंधी कार्य किया जाता है।

स्वदेश दर्शन योजना के तहत, पर्यटन मंत्रालय ने बस्तर और सरगुजा सहित छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों में पर्यटन सुविधाओं के विकास के लिए वर्ष 2015-16 में 96.10 करोड़ रुपये की राशि की जशपुर-कुंकुरी-मैनपट-कमलेशपुर-महेशपुर-कुर्दार-सरोधादादर-गंगरेल-कोंडागांव-नाथियानावागांव-जगदलपुर-चित्रकूट-तीर्थगढ़ नामक परियोजना को मंजूरी दी है। यह परियोजना जनजातीय परिपथ थीम के तहत स्वीकृत की गई थी और इसमें छत्तीसगढ़ की प्रकृति और संस्कृति का प्रदर्शन सहित विभिन्न घटक शामिल थे और परियोजना में परियोजना डिजाइन और आवश्यकता के अनुसार पर्यटक सुविधा केंद्र, शिल्प बाजार, लॉग हट, मार्गस्थ सुविधाएं, कैफेटेरिया, वर्षा आश्रय, अंतिम-मील संपर्कता आदि जैसे घटक शामिल थे।

इसके अलावा, मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन 2.0, सीबीडीडी और प्रशाद योजना के तहत छत्तीसगढ़ राज्य में परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनका विवरण निम्नानुसार है:

योजना का नाम	**अनुभव/परियोजना का नाम**	**स्वीकृति वर्ष**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
स्वदेश दर्शन 2.0	भोरमदेव कॉरिडोर विकास, कवर्धा	2024-25	146.00
सीबीडीडी	मायाली बगीचा का इको-पर्यटन स्थल के रूप में विकास	2024-25	9.97
प्रशाद	डोंगरगढ़, राजनंदगांव जिला, छत्तीसगढ़ में माँ बम्लेश्वरी देवी मंदिर का विकास	2020-21	48.44

इसके अलावा, भारत सरकार ने वर्ष 2024-25 में 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों का विकास' योजना नामक अपनी पहल के तहत पर्यटन संबंधी परियोजनाओं के विकास के लिए छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों को वित्तीय सहायता भी प्रदान की है। छत्तीसगढ़ राज्य में एसएएससीआई योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

अनुभव का नाम	**स्वीकृति वर्ष**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
रायपुर में चित्रोत्पला फिल्म सिटी का विकास	2024-25	95.79
रायपुर में जनजातीय और सांस्कृतिक सम्मेलन केंद्र का विकास	2024-25	51.87

******